डायमंड लीग फाइनल में नीरज की जगह पक्की

नवभारत न्यूज

ब्रसेल्स, 28 अगस्त भारत के स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग फ़ाइनल 2026 के लिए क्वालिफ़ाई कर लिया है. उन्होंने सीज़न के आखिरी एथलेटिक्स मीट के लिए आखिरी जगह हासिल की, जो बेल्जियम में 4 और 5 सितंबर को आयोजित होगा.

पूरे सीज़न में 12 पॉइंट हासिल करके नीरज चोपड़ा ने छह खिलाड़ियों वाले फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की की. पोलैंड के डेविड वेग्नर और जर्मनी के रियो 2016 ओलंपिक चैंपियन थॉमस रोहलर, दोनों ने डायमंड लीग जैवलिन थ्रो स्टैंडिंग में 10-10 पॉइंट हासिल किए.

वेग्नर ने गुरुवार को ज्यूरिख डायमंड लीग में तीसरा स्थान हासिल करके छह पॉइंट बटोरे, जबकि रोहलर ने आठवें स्थान पर रहकर एक पॉइंट जोड़ा; इस तरह दोनों नीरज से दो पॉइंट पीछे रह गए.इस सीज़न में पुरुषों के जैवलिन थ्रो इवेंट वाले पांच डायमंड लीग मीट में से भारतीय एथलीट ने केवल दो में हिस्सा लिया. जून में दोहा में उन्होंने 85.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथा स्थान हासिल किया, और फिर पिछले हफ्ते लुसाने में अपने सीज़न के सर्वश्रेष्ठ 88.05 मीटर के थ्रो के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया. इन दो प्रदर्शनों से उन्हें क्रमश: पांच और सात पॉइंट मिले, जो अंतत: ब्रसेल्स में उनकी जगह पक्की करने के लिए काफ़ी साबित हुए.हर डायमंड लीग मीट में, जैवलिन थ्रो में शीर्ष आठ खिलाड़ियों को पॉइंट मिलते हैं.

सीरीज़ के अंत में पॉइंट के आधार पर शीर्ष छह खिलाड़ी सीज़न के आखिरी फ़ाइनल के लिए क्वालिफ़ाई करते हैं; अगर पॉइंट बराबर हों, तो फ़ैसला सीज़न के सर्वश्रेष्ठ वैध थ्रो (लीगल मार्क) के आधार पर किया जाता है. नीरज चोपड़ा ने अब लगातार पांच डायमंड लीग फ़ाइनल इवेंट के लिए क्वालिफ़ाई किया है. उन्होंने 2022 में ख़िताब जीता और 2023 से 2025 तक उपविजेता रहे. असल में, पिछले साल सितंबर में टोक्यो में हुई वर्ल्ड चैंपियनशिप के बाद से हुई अपनी पिछली चार मुलाकातों में श्रीलंकाई खिलाड़ी नीरज से आगे रहे हैं. डायमंड लीग फ़ाइनल के लिए क्वालिफ़ाई करने वाले अन्य एथलीटों में ग्रेनाडा के पूर्व वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स, त्रिनिदाद और टोबैगो के मौजूदा चैंपियन केशोरन वालकॉट, केन्या के ओलंपिक मेडलिस्ट जूलियस येगो और अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन शामिल हैं. पुरुषों का जैवलिन इवेंट शुक्रवार को ब्रसेल्स के किंग बॉडविन स्टेडियम में डायमंड लीग फ़ाइनल के दूसरे दिन होगा.

एक नजर में

मसाई ने जीती 100 मीटर बाधा दौड़

ज्यूरिख. अमेरिका की धाविका मसाई रसेल ने ज्यूरिख डायमंड लीग 2026 में 12.09 सेकंड समय के विश्व रिकॉर्ड के साथ महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ का स्वर्ण पदक जीता मसाई रसेल ने गुरुवार को वेल्टक्लास ज्यूरिख में महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा. उन्होंने इस दौड़ को 12.09 सेकंड का समय का पूरा किया. उनका यह प्रदर्शन एलिसन डॉस सैंटोस के पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ का वर्ल्ड रिकॉर्ड (45.80 सेकंड) तोड़ने के 40 मिनट से भी कम समय बाद आया. पेरिस 2024 में ओलंपिक गोल्ड जीतने वाली रसेल ने यूजीन में 2022 वर्ल्ड चैंपियनशिप में टोबी अमुसन द्वारा बनाए गए 12.12 सेकंड के वर्ल्ड रिकॉर्ड में 0.03 सेकंड की कमी की. उन्होंने यह कारनामा 0.0 मीटर/सेकंड की हवा की गति के साथ, बिना हवा वाले हालात में किया. अमुसन गुरुवार को 12.23 सेकंड के सीज़न के सर्वश्रेष्ठ समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं.

किंग्समेन ने पैट्रियट्स को 11 रनों से हराया

बैसेटेरे, 28 अगस्त सैम अयूब (102) रनों की शतकीय पारी की बदौलत जमैका किंग्समैन ने सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के खिलाफ 11 रन से जीत हासिल की. आखिरी ओवर में 31 रनों की जरूरत थी, दासुन शनाका ने तीन छक्के लगाकर पैट्रियट्स की उम्मीदें बनाए रखीं, लेकिन ओडियन स्मिथ ने संयम बनाए रखते हुए जीत पक्की की. पांच मैचों में केवल एक जीत के साथ, पैट्रियट्स अंक तालिका में सबसे नीचे है, जबकि इस जीत साथ किंग्समैन चौथे स्थान पर पहुंच गए. पहले गेंदबाजी करने का फैसला करने के बाद, नसीम शाह ने किंग्समैन के दोनों सलामी बल्लेबाजों को सस्ते में आउट कर दिया. जब वे पारी को संभालने की कोशिश कर रहे थे, वनिंदु हसरंगा ने पावरप्ले के ठीक बाद किर्क मैकेंजी को आउट करके अयूब और मैकेंजी के बीच 31 रनों की साझेदारी को तोड़ दिया.

नीदरलैंड और अर्जेंटीना फिर वर्ल्ड कप फाइनल में

बेल्जियम और ऑस्ट्रेलिया को दी मात, 2022 की खिताबी भिड़ंत दोहराएंगी दोनों टीमें

नवभारत न्यूज

एम्स्टर्डम, 28 अगस्त. एफआईएच महिला हॉकी वर्ल्ड कप का फाइनल एक बार फिर नीदरलैंड और अर्जेंटीना के बीच खेला जाएगा.

गुरुवार को खेले गए रोमांचक और कड़े सेमीफाइनल मुकाबलों में मौजूदा चैंपियन नीदरलैंड ने बेल्जियम को 1-0 से हराकर लगातार आठवीं बार फाइनल में जगह बनाई, जबकि अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से मात देकर खिताबी मुकाबले का टिकट कटाया. शनिवार को होने वाला फाइनल चार साल पहले हुए मुकाबले की यादें ताजा करेगा. 2022 के वर्ल्ड कप फाइनल में भी दोनों टीमें आमने-सामने थीं, जहां नीदरलैंड ने खिताब अपने नाम किया था. घरेलू मैदान पर खेल रही नीदरलैंड को बेल्जियम के खिलाफ आसान जीत की उम्मीद थी, लेकिन मुकाबला बेहद संघर्षपूर्ण रहा. बेल्जियम ने शुरुआत से ही डच टीम पर दबाव बनाए रखा. हालांकि हाफ टाइम से ठीक पहले नीदरलैंड ने शानदार काउंटर अटैक किया और 28वें मिनट में फ्रेडरिक माटला के डिफ्लेक्शन से बढ़त हासिल कर ली.

> दूसरे सेमीफाइनल में अर्जेंटीना और ऑस्ट्रेलिया के बीच भी कांटे की टक्कर देखने को मिली. पहले दो क्वार्टर में दोनों टीमों ने मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया. तीसरे क्वार्टर में अर्जेंटीना ने दबाव बढ़ाया और 47वें मिनट में जूलिएटा जंकुनास ने पेनल्टी कॉर्नर की शानदार रणनीति को गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिलाई. ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम क्षणों में बराबरी की पूरी कोशिश की, लेकिन अर्जेंटीना की गोलकीपर क्रिस्टीना कोसेंटिनो ने शानदार बचाव करते हुए जीत सुनिश्चित कर दी. इसके साथ अर्जेंटीना सातवीं बार वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंच गया.

2030 तक खेल की तस्वीर बदलेगा भारत

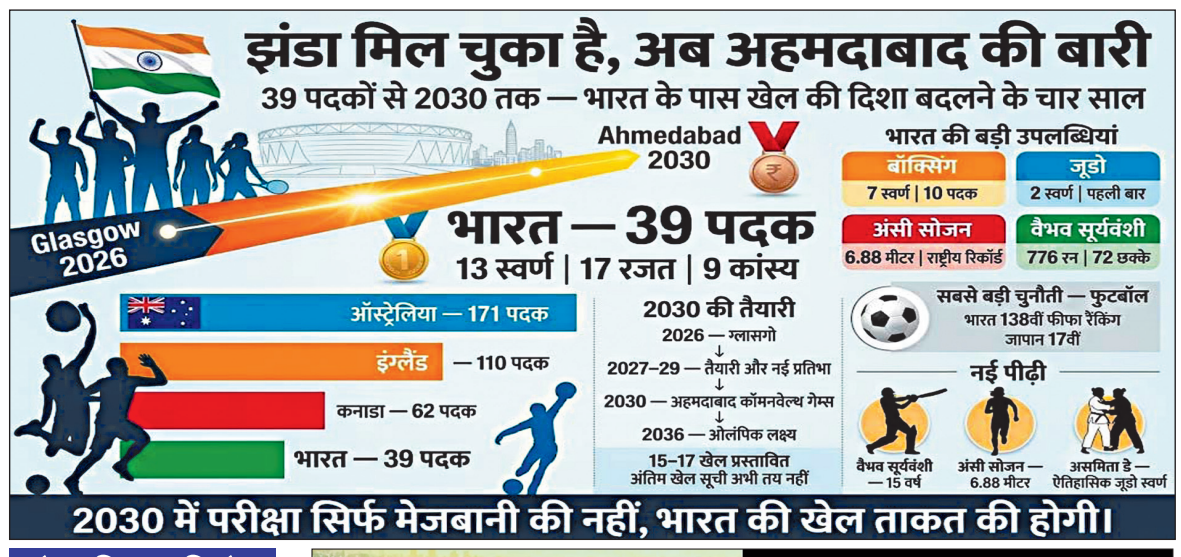

कॉमनवेल्थ चुनौती के साथ अवसर भी

यहीं 2030 भारत के लिए बड़ा टेस्ट बन सकता है. अगर अगले चार साल सिर्फ अहमदाबाद के स्टेडियम तैयार करने में निकल गए तो मौका आधा ही इस्तेमाल होगा. जरूरत ऐसे खेल ढांचे की है, जिसका फायदा गेम्स खत्म होने के बाद भी खिलाड़ियों को मिलता रहे. फुटबॉल इसका उल्टा उदाहरण है. भारत 2026 फीफा विश्व कप तक नहीं पहुंच पाया. यानी एक तरफ कुछ खेलों में दुनिया के सामने भारत पदक जीत रहा है, वहीं कुछ दूसरे खेल अब भी बुनियादी स्तर पर संघर्ष कर रहे हैं. भारतीय खेल की अगली छलांग इसी अंतर को कम करने में छिपी है. 2030 में जब कॉमनवेल्थ का शताब्दी संस्करण भारत में होगा, तब सबसे बड़ा सवाल यह नहीं होगा कि अहमदाबाद ने आयोजन कितना शानदार किया. सवाल होगा—क्या इन चार वर्षों में भारत ने अपने खिलाड़ियों के लिए ऐसा सिस्टम बनाया, जिसमें अगला नीरज, अगली पीवी सिंधु या अगला कोई अनजान चैंपियन बड़े शहर के बाहर से भी निकल सके? झंडा भारत के पास आ चुका है. अब बारी सिर्फ उसे संभालने की नहीं, बल्कि उसके साथ भारतीय खेल की दिशा बदलने की है.

हर पीढ़ी दे रही है अपने नए सितारे

इस बार बॉक्सिंग और जूडो ने उम्मीद जगाई. नए खिलाड़ियों ने दिखाया कि प्रतिभा की कमी नहीं है. एथलेटिक्स में अंसी सोजन का प्रदर्शन हो या जूडो में अस्मिता डे और हर्ष सिंह जैसे नाम—हर पीढ़ी अपने नए सितारे दे रही है. क्रिकेट में वैभव सूर्यवंशी जैसी युवा प्रतिभाएं भी संकेत दे रही हैं कि अगली पीढ़ी तैयार है. लेकिन सवाल सिर्फ सितारे पैदा करने का नहीं है. सवाल यह है कि कितने बच्चों को खेल शुरू करने का मौका मिलता है, कितने अच्छे कोच तक पहुंच पाते हैं और कितनों के पास अभ्यास के लिए बेहतर मैदान और सुविधाएं हैं?

भारत ने जीते 39 पदक

ग्लासगो ने एक दिलचस्प तस्वीर दिखाई. भारत ने 39 पदक जीते और चौथे स्थान पर रहा. संख्या 2022 के 61 पदकों से कम है, लेकिन इस बार कई ऐसे खेल प्रतियोगिता में थे ही नहीं जिनमें भारत पारंपरिक रूप से मजबूत रहा है. इसका मतलब साफ है—भारत की ताकत कुछ चुनिंदा खेलों में केंद्रित है. असली सफलता तब होगी, जब यह दायरा बढ़े.

खेल दिवस विशेष

04 साल खेल वीरों के लिए बहुत अहम

दृष्टि शर्मा

भोपाल, 28 अगस्त ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स का झंडा भारत के हाथों में आते ही अगला पड़ाव तय हो गया अहमदाबाद. 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स का शताब्दी संस्करण भारत में होगा. लेकिन असली चुनौती स्टेडियम, उद्घाटन समारोह और चमक-दमक से कहीं बड़ी है. अगले चार साल यह तय करेंगे कि भारत सिर्फ बड़े खेल आयोजन करने वाला देश बनता है या सच में मजबूत खेल राष्ट्र भी.

अहमदाबाद में 15 से 17 खेलों के आयोजन का प्रस्ताव है. यानी भारत के पास अपनी पसंद के खेलों को मंच देने का भी मौका होगा. क्रिकेट और हॉकी जैसे लोकप्रिय खेलों के साथ एथलेटिक्स, तैराकी, बॉक्सिंग, जिम्नास्टिक्स, टेबल टेनिस और भारोत्तोलन जैसे खेलों को मजबूत किया जा सकता है. सवाल यह है कि इन चार वर्षों में तैयारी सिर्फ खिलाड़ियों के लिए होगी या पूरे सिस्टम के लिए?

ऐसी पिच चाहते हैं, जहां तेज गेंदबाज जिताएं मैच : कर्स्टन

नवभारत न्यूज

कोलंबो, 28 अगस्त पिछले 15 वर्षों में कई मौकों पर श्रीलंका ने घरेलू मैदानों पर स्पिन गेंदबाज़ों के लिए बेहद अनुकूल पिचें तैयार की हैं, लेकिन मुख्य कोच गैरी कर्स्टन चाहते हैं कि आगे आने वाली सीरीज़ में उसी तरह की पिचें तैयार की जाएं, जैसा भारत और श्रीलंका के बीच खेली गई सीरीज़ के दौरान थीं.

इस सीरीज़ के दौरान कुल 67 विकेट गिरे, जिसमें से तेज़ गेंदबाज़ों ने 24 विकेट लिए. श्रीलंका के लिए असिता फ़र्नांडो सबसे सफल गेंदबाज़ रहे. उन्होंने 20 की औसत से 10 विकेट लिए और सीरीज़ में कुल मिलाकर दूसरे सबसे सफल गेंदबाज़ रहे. पिचें बल्लेबाज़ी के लिए भी अच्छी थीं, जहां दोनों टीमों ने तीन-तीन शतक लगाए. सोनल दिनुशा ने तीन, देवदत्त पडिक्कल ने दो और ध्रुव जुरेल ने एक शतक जड़ा. दोनों टेस्ट पांचवें दिन तक पहुंचे, जबकि इससे पहले श्रीलंका में कई सीरीज़ धूलभरी पिचों पर स्पिनरों के क़हर के कारण जल्दी ख़त्म हो जाती थीं.

रुमेश ने भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता

नवभारत न्यूज

ज्यूरिख, 28 अगस्त श्रीलंका के भाला फेंक स्टार एथलीट रुमेश थरंगा पथिरागे ने ज्यूरिख डायमंड लीग 2026 में 92.07 मीटर की शानदार थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता. कॉमनवेल्थ गेम्स के 23 वर्षीय चैंपियन पथिरागे ने लेत्ज़िग्रुंड स्टेडियम में गुरुवार को हुए मुकाबले में अपने छठे और आखिरी प्रयास में जीत दिलाने वाली थ्रो की और ग्रेनाडा के पूर्व वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स से काफी आगे रहे.

पीटर्स ने सीजन के अपने सर्वश्रेष्ठ 86.93 मीटर के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि पोलैंड के डेविड वेग्नर ने 85.16 मीटर का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया.

जून में रोम डायमंड लीग में 92.62 मीटर की थ्रो के बाद वर्ल्ड लीडर के तौर पर प्रतियोगिता में उतरे थरंगा ने शुरुआत 81.50 मीटर से की और फिर दूसरे राउंड में इसे बेहतर करते हुए 88.23 मीटर तक पहुंचाया.

श्रीलंकाई खिलाड़ी ने अपने तीसरे प्रयास में और भी बेहतर प्रदर्शन करते हुए 89.90 मीटर की दूरी तय की और शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत की. इसके बाद उन्होंने 84.91 मीटर की थ्रो की, लेकिन उनकी पांचवीं कोशिश फाउल हो गई.

> पीटर्स ने शुरुआत में 86.93 मीटर की थ्रो के साथ एक बेंचमार्क सेट किया, लेकिन वे इसमें सुधार नहीं कर सके। उन्होंने 82.17 मीटर, 83.52 मीटर, 84.22 मीटर और 82.08 मीटर की थ्रो की और उनकी आखिरी कोशिश फाउल हो गई। वहीं, वेग्नर ने पांचवें राउंड में 85.16 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पोडियम पर आखिरी स्थान हासिल किया।

जीत लगभग पक्की होने के बाद, थरंगा ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आखिरी राउंड के लिए बचाकर रखा और जैवलिन को 92.07 मीटर दूर फेंका.

महिला एशिया कप | 30 अगस्त से थाईलैंड के खिलाफ अभियान की शुरुआत

भारत की नजर रिकॉर्ड आठवें एशिया कप खिताब पर

05 सितंबर को पाकिस्तान से महामुकाबला

13 सितंबर को खेला जाएगा फाइनल

नवभारत न्यूज

दुबई, 28 अगस्त भारतीय महिला क्रिकेट टीम 2026 महिला एशिया कप में रिकॉर्ड आठवीं बार खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी.

टूर्नामेंट का आयोजन 28 अगस्त से 13 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात के दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होगा. सात बार की चैंपियन भारतीय टीम इस बार भी खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है. टीम की कमान हरमनप्रीत कौर के हाथों में होगी, जबकि स्मृति मंधाना उपकप्तान की भूमिका निभाएंगी. हालांकि स्टार बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स का चोट के कारण टीम में नहीं होना भारत के लिए बड़ा झटका है.टूर्नामेंट में आठ टीमों को चार-चार के दो समूहों में बांटा गया है. भारत ग्रुप-ए में पाकिस्तान, हांगकांग चीन और थाईलैंड के साथ है. भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 30 अगस्त को थाईलैंड के खिलाफ करेगी. इसके बाद 3 सितंबर को हांगकांग चीन से मुकाबला होगा, जबकि बहुप्रतीक्षित भारत-पाकिस्तान मुकाबला 5 सितंबर को खेला जाएगा. प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी.

> 2004 में शुरू हुए महिला एशिया कप में भारत का दबदबा रहा है. टीम ने अब तक सात बार खिताब जीता है और टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम है. शुरुआती चार संस्करण वनडे प्रारूप में खेले गए थे, जबकि 2012 से टूर्नामेंट टी-20 प्रारूप में आयोजित किया जा रहा है. भारत ने शुरुआती छह संस्करणों में लगातार खिताब जीते थे, लेकिन 2018 में बांग्लादेश ने उसका विजयी अभियान रोक दिया. 2024 के फाइनल में श्रीलंका ने भारत को हराकर खिताब अपने नाम किया था और वह मौजूदा चैंपियन है.

प्रज्ञानंद ने जीता ग्रैंड चेस टूर का खिताब

नवभारत न्यूज

सेंट लुइस/चेन्नई, 28 अगस्त भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंद ने शुक्रवार को हुए रोमांचक फाइनल में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना को हराकर ग्रैंड चेस टूर का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया. तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने इस उपलब्धि के लिए उनकी सराहना की हैं.

इस खिताबी जीत के साथ, प्रज्ञानंद ने अगले साल होने वाले ग्रैंड चेस टूर के लिए भी अपनी जगह पक्की कर ली. उनके साथ कारुआना और एक अन्य अमेरिकी खिलाड़ी वेस्ले सो ने भी जगह बनाई. वेस्ले सो ने जर्मनी के विंसेंट कीमर को 18-12 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया. प्रज्ञानंद के लिए प्रतियोगिता की शुरुआत मुश्किल रही और क्लासिकल गेम्स के बाद वह 3-9 से पीछे चल रहे थे. हालांकि, 20 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने रैपिड सेक्शन में शानदार वापसी की. उन्होंने दोनों गेम जीतकर कारुआना की बढ़त को कम किया, मुकाबले में नई जान फूंकी और मैच को फिर से रोमांचक बना दिया. इसके बाद मुकाबला ब्लिट्ज़ सेगमेंट में पहुंचा, जहां पहला गेम ड्रॉ पर समाप्त हुआ.

रेवंत रेड्डी ने जीत पर प्रज्ञानंद को दी बधाई

हैदराबाद. तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंद को अमेरिका के सेंट लुइस में ग्रैंड चेस टूर का खिताब जीतकर पर बधाई दी. मुख्यमंत्री रेड्डी ने कहा कि प्रज्ञानंद की जीत ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की ताकत दिखाई है और यह हर नागरिक के लिए गर्व का क्षण है. उन्होंने कहा कि शतरंज ग्रैंडमास्टर की यह उपलब्धि देश भर के खिलाड़ियों और युवाओं को प्रेरित करेगी.